जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 58 | अंक-21 | जयपुर, सोमवार, 23 मई, 2022 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

132 करोड़ की लागत से बनेगा बेणेश्वर धाम में हाईलेवल पुल

उदयपुर (हमारा वतन) सांसद राहुल गांधी व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आदिवासियों का प्रयाग कहे जाने वाले बेणेश्वर धाम में हाईलेवल पुल का शिलान्यास कर आमजन को बड़ी सौगात दी। माही, जाखम और सोम नदियों के संगम पर स्थित बेणेश्वर धाम धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध पांच दिवसीय मेले के लिए जाना जाता है। मानसून में धाम को जाने वाली सड़के जलस्तर बढ़ने के कारण डूब जाती है जिससे धाम एक टापू में बदल जाता है।

इस वजह से श्रद्धालु नाव से ही धाम जा पाते है तथा कई श्रद्धालु धाम में ही फंस जाते है। इस समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने वर्ष 2021-22 की बजट घोषणा में हाईलेवल पुल के निर्माण की घोषणा की थी। 132.35 करोड़ की राशि से बनने वाले इस हाईलेवल पुल के द्वारा श्रद्धालु डूंगरपुर-बांसवाड़ा सड़क से सीधे बेणेश्वर धाम पहुंच पाएंगे तथा वर्षभर

आवागमन संभव हो पाएगा। शिलान्यास के दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने मॉडल के माध्यम से राहुल गांधी एवं अशोक गहलोत को पुल के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

साबला से बांसवाड़ा की तरफ इस पुल की लंबाई 1345 मीटर व भटवाड़ा से बेणेश्वर की तरफ पुल की लंबाई 386.50 मीटर होगी। यह पुल नदी की सतह से 18.50 मीटर की उंचाई पर 36 पिलर पर बनेगा तथा इसकी चौड़ाई 16 मीटर होगी। पुल में सड़क के साथ क्रैशबेरियर, पैदलयात्रियों के लिए फुटपाथ तथा रैलिंग भी बनाए जाएंगे। शिलान्यास कार्यक्रम से पहले राहुल गांधी व अशोक गहलोत ने बेणेश्वर धाम परिसर में स्थित वाल्मीकि मंदिर, बेणेश्वर शिवालय, राधा कृष्ण मंदिर और ब्रह्मा मंदिर में दर्शन किए व बेणेश्वर पीठाधीश्वर गोस्वामी महंत अच्युतानंद महाराज से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने पूजा अर्चना कर देश की खुशहाली की कामना की।

राज्यपाल ने किया मिट्टी बचाओ अभियान के पोस्टर का लोकार्पण

जयपुर (हमारा वतन) राज्यपाल कलराज मिश्र से राजभवन में ईशा फाउंडेशन की मधु चंद्रिका, गिरिजा शर्मा और डॉ. एच. सी. गणेशिया ने मुलाकात कर आध्यात्मिक गुरु सदुरु द्वारा प्रारम्भ मिट्टी बचाओ अभियान के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल मिश्र ने इस अभियान के पोस्टर का भी लोकार्पण किया। गौरतलब है कि दुनिया भर में मिट्टी की बढ़ती दुर्दशा के बारे में जागरूकता के लिए ईशा फाउंडेशन के संस्थापक, सदुरु द्वारा सेव सॉयल' वैश्विक अभियान की पहल की गई है।

दूल्हा दुल्हन को शगुन में पौधे देने से आएगी जीवन में खुशियां: सोनी

उत्तराखंड (हमारा वतन) शादी का बंधन जीवन के सफर में खुशियां लाती हैं, यह एक ऐसा पल होता है जो जीवनभर एक दूसरे के सुख दुःख में साथ निभाने की रस्में होती हैं। राइका मरोडा, सकलाना में कार्यरत पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी दूल्हा लोकेश व दुल्हन सोनम की शादी में कैम्पटी पहुंचकर वर वधू को शगुन में तुलसी का पौधा उपहार में देकर आशीर्वाद दिया। वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी कहते हैं वर वधू को शगुन में पौधा देने से उनके जीवन में खुशियां आती हैं। जिस प्रकार पेड़ अपार खुशियां दूसरों को देकर खुश रहता हैं, उसी प्रकार अपनो के साथ खुश मिलकर जीने की प्रेरणा देते है पेड़ पौधे। उसी प्रकार शगुन में दिए पौधे के रोपण से जीवन में खुशियां आती हैं। हर अभिभावक को अपने बच्चों की शादी में शगुन में पौधा देकर इस धरती को उपहार स्वरूप एक पौधा अवश्य रोपे। दूल्हे लोकेश ने बताया कि शगुन में दिया पौधा प्रकृति देवता का आशिर्वाद हैं। वहीं दुल्हन सोनम ने कहा कि प्रकृति की तरह औरत को माना जाता है, मेरा प्रयास भी इस धरा में निहित संसाधनों को बचाने का प्रयास किया जायेगा। कार्यक्रम में नरेंद्र रावत, वीरेंद्र सिंह रावत, शिवेंद्र रावत, कमलेश, सिब्बल सिंह सजवाण, सावित्री देवी, अनसूया सिंह पवार, लक्ष्मी प्रसाद भट्ट आदि लोग मौजूद रहे।

पिंक सिटी जयपुर में महिला उद्यमियों के लिए हुई ग्रेजुएशन सेरेमनी

जयपुर (हमारा वतन) पिंक सिटी जयपुर में राज्य की सबसे अधिक महिला उद्यमियों के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी का

आयोजन किया गया। अवेयर प्रोजेक्ट के तहत आयोजित इस समारोह में जयपुर में अपने स्थानीय इंप्लीमेंटिंग पार्टनर स्टार्टअप के साथ साझेदारी में महिला उद्यमी नेटवर्क के लॉन्च की घोषणा की गई। राज्य में नेटवर्क का लांच महिला उद्यमियों को उनके साथियों एवं मेंटर के साथ जोड़ने की दिशा में पहला कदम है। इससे महिलाओं को न सिर्फ कारोबार कौशल एवं बाजार में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने का मौका मिलेगा बल्कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर सशक्त बनेंगी। वेयर प्लेटफार्म महिला उद्यमियों को एक दूसरे से सीखने एवं साझेदारियों के अवसर तलाशने का मौका देगा। यह राज्य की महिला उद्यमियों को एक कनेक्शन प्लेटफार्म उपलब्ध कराएगा, जिसके माध्यम से वे अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे और हर जरूरी सहयोग पा सकेंगी।

जयपुर ,जोधपुर ,उदयपुर, कोटा ,अजमेर, अलवर, झुंझुनू एवं राजसमंद जैसे शहरों से बेहतर रुझान मिले हैं। इसके दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए कोर टीम सदस्यों मीता माथुर एवं नीरजापाली शेट्टी ने कहा कि राज्य में महिला उद्यमियों के सशक्त समुदाय का निर्माण करना ही उनका उद्देश्य है, जो एक दूसरे के साथ जुड़ा हो। इसके जरिए कारोबारियों के विकास तथा सदस्यों के बीच साझेदारियों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। इस दौरान जयपुर शहर की सेनेटरी को रिप्रेजेंट करने वाली ईशु सैनी को भी सम्मानित किया गया।

नीतू शर्मा बनी सर्व ब्राह्मण महासभा नगर अध्यक्ष

जयपुर (हमारा वतन) सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने श्रीराम नगर चौमूं निवासी नीतू शर्मा सुपुत्री श्रवण कुमार शर्मा को सर्व ब्राह्मण महासभा चौमूं नगर महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। विप्र बंधुओं ने नीतू शर्मा को महिला प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं प्रेषित की एवं जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

जयपुर (हमारा वतन) शहर के मोरीजा रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय गोठवाल भवन पर पूर्व विधायक भगवान

सहाय सैनी व कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री राजीव गांधी को आधुनिक भारत का जनक कहा जाता है राजीव गांधी ने आधुनिक भारत की शुरुआत की। इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार ने 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की घोषणा की थी। इस नीति के तहत पूरे देश में उच्च शिक्षा व्यवस्था का आधुनिकीकरण हुआ। पूर्व विधायक ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की ओर से देशहित व जनहित में अहम व बड़े फैसले लिये गए, जिनका आज भी जमीनी स्तर पर लोगों को लाभ मिल रहा है। इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चौमूं का इतिहास

गतांक से आगे.....

भाग 4

स्थिति - चौमूंहागढ (धाराधारगढ़) जयपुर से लगभग 33 किमी. उत्तर में अवस्थित चौमूं ढूंढाड अंचल का एक प्रमुख कस्बा है । जिस के नामकरण का आधार वहां का किला चौमूंहागढ है । जिसके चतुर्दिक बसा होने के कारण यह कस्बा चौमूं के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इसका लगभग 400 वर्षों का गौरवशाली इतिहास है । चौमूं का किला सुदृढ़ और विशाल है। यह दुर्ग भूमि दुर्ग की श्रेणी में आता है। ठाकुर करणसिंह ने विक्रम संवत 1652-53 (1995-96 ईसवी) के लगभग बेनी दास नामक एक संत के आशीर्वाद से चौमूंहागढ किले की नींव रखी । अन्य प्रसिद्ध किलो की तरह चौमूं के किले के संबंध में जनश्रुति है कि जिस स्थान का किले के निर्माण के लिए चुनाव किया गया वहां एक केर के पेड़ के नीचे एक भीड़ ने अपने बच्चे को जन्म दिया था । अतः उसे एक अच्छा शगुन मानकर किले की नींव रखी गई थी । तत्पश्चात ठाकुर रघुनाथ सिंह द्वारा इसमें बुर्ज तथा भवन आदि बनवाए गए । उनके शासनकाल में इसे रघुनाथगढ़ भी कहा गया । चौमूं के पूर्ववर्ती शासकों द्वारा भी किले में निर्माण और विस्तार का कार्य जारी रखा तथा प्रत्येक शासक ने अपना योगदान दिया । ठाकुर मनमोहन सिंह ने इसकी सुदृढ़ प्राचीर तथा किले के चारों तरफ गहरी नहर का निर्माण करावाया। कृष्ण सिंह ने सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के कारण किले के प्राचीन प्रवेश द्वार ध्रुवपोल को बदलकर पश्चिमाभीमुखी बनवाया।

प्रिंस कुमार उप्पल (मुद्राशास्त्री) निदेशालय,पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग-जयपुर

....शेष अगले अकं में

कृति टेक्नोलॉजीज द्वारा यूईएम जयपुर में भारत की प्रथम रिएक्ट जेएस लैब हुई स्थापित

जयपुर (हमारा वतन) यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) जयपुर ने रिएक्ट JS लैब लॉन्च करने के लिए कृति टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ सहयोग किया है, जो अपने छात्रों को तैयार करने के लिए एक अपस्किलिंग प्रोग्राम है। जानकारी के अनुसार वर्तमान आईटी परिदृश्य में अग्रणी तकनीकों में से एक React JS शिक्षण केंद्र कौशल अंतराल की बाधाओं को तोड़ने व उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक गतिविधियों में प्रासंगिक बने रहने में मदद करेगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जयपुर और कृति टेक्नोलॉजीज कोलकाता ने रिएक्ट लैब के नवीनतम सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म पर छात्रों के मुफ्त प्रशिक्षण और यूईएम जयपुर के सभी योग्य छात्रों को इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करने के लिए एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। कृति टेक्नोलॉजीज, कोलकाता के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) मनीष साहू ने बताया कि उनकी कंपनी देश के अग्रणी सॉफ्टवेयर समाधान प्रदाताओं में से एक है और यह नई और उभरती प्रौद्योगिकियों पर दुनिया भर से कई परियोजनाओं के साथ काम कर रही है। . वर्तमान में कृति टेक्नोलॉजीज, यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जयपुर के इंजीनियरिंग छात्रों को ऑफलाइन मोड में रिएक्ट के नवीनतम संस्करण में विशेष मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान करेगी। कुलपति प्रो. डॉ. बिस्वजय चटर्जी ने कृति टेक्नोलॉजीज के साथ इस समझौता ज्ञापन का स्वागत किया और बताया कि यूईएम जयपुर के छात्र हमेशा नौकरी उन्मुख कौशल आधारित प्रशिक्षण के लिए तैयार हैं और रिएक्ट पर यह विशेष प्रशिक्षण निश्चित रूप से सभी छात्रों को बेहतर बढ़त प्रदान करेगा। वर्तमान अत्यधिक प्रतिस्पर्धी नौकरी बाजार में। प्रशिक्षण का पहला बैच जुलाई 2022 के पहले सप्ताह से शुरू होगा। उन्होंने यह भी बताया कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल की पहल के तहत पूरे उत्तर पश्चिम भारत में विश्वविद्यालय को दूसरा स्थान मिला है। नवाचार उपलब्धियों पर संस्थानों की अटल रैंकिंग (एआरआईआई) द्वारा यूईएम जयपुर भी सबसे होनहार विश्वविद्यालय श्रेणी के अंतर्गत है। प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार, यूईएम जयपुर ने बताया कि विश्वविद्यालय के पास एक बहुत मजबूत संस्थान उद्योग सहयोग है जहां 400 से अधिक कंपनियां प्लेसमेंट, प्रशिक्षण और इंटर्नशिप उद्देश्यों के लिए परिसर में आ रही हैं। प्रो. डॉ. अनिरुद्ध मुखर्जी, डीन, यूईएम जयपुर ने अपने छात्रों के लिए यह शानदार अवसर प्राप्त करने के लिए इंजीनियरिंग स्ट्रीम के सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों को बधाई दी। मनीष साहू को प्रो. डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी, प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा, प्रो. डॉ. अनिरुद्ध मुखर्जी और यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जयपुर के सभी विभागों के प्रमुखों ने सराहना का टोकन भेंट किया।

खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड में तीन सरकारी पदाधिकारियों को सदस्य नियुक्त किया

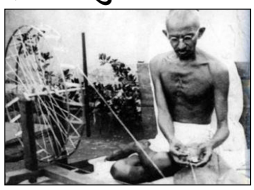

जयपुर (हमारा वतन) राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड में तीन सरकारी पदाधिकारियों को तुरन्त प्रभाव से सरकारी सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। उद्योग एवं वाणिज्य (ग्रुप-2) विभाग के संयुक्त शासन सचिव शक्ति सिंह राठौड़ की ओर से जारी इस अधिसूचना के अनुसार संयुक्त शासन सचिव उद्योग (ग्रुप-2) विभाग, संयुक्त शासन सचिव वित्त (व्यय-2) विभाग एवं अतिरिक्त निदेशक, प्रथम उद्योग एवं वाणिज्य विभाग जयपुर को राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड में सदस्य नियुक्त किया गया है।

हिंदी फिल्म अनमोल भैया ने फिर मचाई धूम

जयपुर (हमारा वतन) अनमोल सिंह के निर्देशन में बनी हिंदी फिल्म

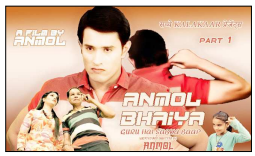

अनमोल भैया सच्चे कलाकार यू ट्यूब चैनल पर धूम मचा रही है । इस शनिवार को फिल्म का पहला पार्ट रिलीज़ किया गया जिसे दर्शक बहुत पसंद कर रहे हैं । आगे इसके 5 पार्ट और आएंगे ।

फ़िल्म में अनमोल सिंह ,क्षितिज कुमार,मदन लाल शर्मा ,हेमन्त शर्मा ,खुशबू गुप्ता ,के के , मोनू शर्मा , ओमी , उग्रसेन तँवर के साथ करीब 50 कलाकारों ने अभिनय किया है । गौरतलब है कि जयपुर के फिल्म को गोलछा सिनेमा में करीब 100 शो दिखा कर कीर्तिमान बनाया गया था। करीब 2 घंटे की शिक्षा पर बनी फ़िल्म है ।

गहलोत सरकार देगी 1.33 करोड़ महिलाओं को स्मार्टफोन

जयपुर (हमारा वतन) गहलोत सरकार प्रदेश की 1.33 करोड़ महिलाओं के लिए 7500 करोड़ के स्मार्टफोन खरीद रही है। सरकार ने 1.33 करोड़ मोबाइल हैंडसेट तीन साल तक फ्री 4जी इंटरनेट के साथ सप्लाई करने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। हर स्मार्टफोन करीब 5,639 रुपए की कीमत का होगा। गहलोत सरकार की चौथी सालगिरह से महिलाओं को मोबाइल हैंडसेट बांटना शुरू करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस साल बजट में प्रदेश की 1.33 करोड़ महिलाओं को स्मार्टफोन देने की घोषणा की थी। सरकारी मोबाइल फोन परिवार की मुखिया महिलाओं को दिए जाएंगे जिनके नाम जनाधार कार्ड में है। मोबाइल के साथ तीन साल तक डेटा फ्री होगा। जिन महिलाओं को मोबाइल दिए जाने हैं उनका पूरा रिकॉर्ड सरकार के पास है। उसी रिकॉर्ड के हिसाब से उन्हें सिम अलॉट कर दिए जाएंगे। इसको लेकर 1 जुलाई को टेक्निकल बिड खुलेगी। इसके बाद ही तय होगा कि कौन सी कंपनी मोबाइल सप्लाई करेगी। सरकार ने टेंडर डॉक्यूमेंट में वर्क ऑर्डर मिलने के एक साल के भीतर सप्लाई की शर्त रखी है।

कैंसर संस्थान के लिए मुख्यमंत्री ने दी 65 करोड़ रूपए की मंजूरी

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य कैंसर संस्थान, जयपुर के विस्तार कार्य एवं नवीन उपकरणों की खरीद के लिए 65 करोड़ रूपए के अतिरिक्त बजट प्रावधान को मंजूरी दी है। गहलोत की बजट घोषणा 2022-23 के बिंदु संख्या 12 के अनुपालना में राज्य कैंसर संस्थान के वर्तमान भवन के ऊपर 6 मंजिल निर्माण कराए जाने व उपकरण खरीद के लिए प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा गया था, जिसके तहत 65 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

ऐ मेघ

ऐ मेघ ले-ले जद में अपने
इस समूचे आसमां को
कर दे गर्मी शांत अब तो
उन्माद भरी इस तपिश की

फिर दिखा दे इस जहाँ को
के निकल जाती है गर्मी
तपिश उतनी ही सही
जितनी कोई संभाल पाए

धूप के तेवर को जेवर
पहना दे नम बूंदों की अब तो
धूल की बिसात ही क्या
जो उड़ रही है खामखा

हवाओं को भी दे बता के
अधिकार तुझपे है अब मेरा
तू जब बहेगी नम बहेगी
अब यही है काम तेरा

पारे को भी दे बता के
अब चढ़ाई न चढ़ सकोगे
आ गए हम हैं जबसे
लाजमी है लुक्रना तेरा

सूर्य की अठखेलियों पर
बस तनिक अंकुश लगाने
आ जा लेकर कारवाँ
जमकर भिगो दे इस धरा को

सिद्धार्थ गोरखपुरी

स्त्री तुम

स्त्री तुम
क्या से क्या हुई
स्त्री से
तुम पत्नी हुई
माँ भी बन गयी
घर भी संभाला
संभाली रसोई भी
बच्चों को
चोट लगी तो
ममतामयी
बन गई
गलतियों का
पक्ष लेकर
अंडरस्टैंडिंग
मॉम बन गयी
पाप गुस्सा करेंगे
कहकर तुम तो
बच्चों की
बेस्ट फ्रेंड
भी बन गयी
पुरुष के कंधे से
कंधा मिलाकर
सफल
वर्किंग वीमेन
भी बन गयी
घर की
जिम्मेदारियां
बखूबी निभा कर
कुशल
गृहणि
बन गयी
स्त्री तुम
क्या से क्या हुई

डॉ.योगिता जोशी 'अनुप्रिया'

प्रशांत किशोर का कांग्रेस पर निशाना:कहा- पार्टी ने चिंतन शिविर में गांधी परिवार के वजूद को बचाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रशांत किशोर ने कांग्रेस के चिंतन शिविर को असफल करार दिया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उदयपुर चिंतन शिविर से पार्टी को कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। इस शिविर से कांग्रेस नेतृत्व यानी गांधी परिवार को वजूद बचाने का और वक्त मिल गया है। साथ ही प्रशांत किशोर ने गुजरात और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की हार की भी भविष्यवाणी की है। पीके ने ट्वीट करके कहा- मुझे बार-बार उदयपुर चिंतन शिविर पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया है, लेकिन मेरे हिसाब से उदयपुर चिंतन शिविर कोई भी सार्थक उद्देश्य पूरा करने में फेल रहा है।

पिता की महानता

गम ए आलम का बोझ,
हँस के रोज़ ढो लेता हूँ।
याद आपकी आने पर,
अमूमन अश्रु बहा देता हूँ।

इस दुनिया में हूँ जो आपकी,
मैं एक अनमोल निशानी।
सर्वस्व तुम्हारा कुछ ना मेरा,
जो है वो आपकी मेहरबानी।
मेरे आने की आशा से पूर्व,
मन मस्तिष्क परवरिश की ठानी।
उज्ज्वल भविष्य हो नित मेरा,
किंचित भी हो ना कोई हानि।
निज संतति भविष्य खातिर,
अब नेक ख्यालों में रहता हूँ।

हाथ पकड़कर आपने,
हरफ़ लिखना मुझे सिखाया।
स्नेह-प्रेम,निष्ठा के बल पर,
आगे सदा बढ़ने को रिझाया।
लोक हितैषी बनने के साथ,
नेक-बंदगी का पाठ पढ़ाया।
कुंभकार घड़े ज्यों माटी,
शिल्पकार सा मुझे संवारा।
तभी कठिन डगर में बढ़कर,
तेज तपिश भी सह लेता हूँ।

जन्मदाता के चरणों में,
सारा जगत समाया है।
खुशकिस्मती इंसान है वो,
जिन्हें तात का साया है।
क्या दिया उन्हें पिता ने,
कोई जान नहीं पाता है।
उनकी गैरमौजूदगी में ही,
समझ हरेक को आता है।
वही होता है जो जीवन के,
हर तजुर्बे का ज्ञान देता है।

महेन्द्र सिंह कटारिया (सीकर) राजस्थान

जॉब्स

1. राजस्थान स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड (आरएसएमएसएसबी), पद लाइब्रेरियन ग्रेड थर्ड, पद संख्या 460, अंतिम तिथि 24 जून 2022
2. राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), पद सेकंड ग्रेड टीचर संस्कृत शिक्षा विभाग, पद संख्या 417, अंतिम तिथि 21 जून 2022
3. राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), पद ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट, पद संख्या 24, अंतिम तिथि 19 जून 2022
4. स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (एसएससी) पद विभिन्न, पद संख्या 2065, अंतिम तिथि 15 जून 2022
5. स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (एसएससी) दिल्ली पुलिस, पद हेड कांस्टेबल, पद संख्या 835, अंतिम तिथि 16 जून 2022
6. भारतीय डाक विभाग, पद ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस), पद संख्या 38926, अंतिम तिथि 5 जून 2022
7. आईसीएआर इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएआरआई), पद असिस्टेंट, पद संख्या 462, अंतिम तिथि 1 जून 2022
8. राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), पद स्कूल लेक्चरर, पद संख्या 6000, अंतिम तिथि 4 जून 2022

सहायक कृषि अधिकारी तथा केमिस्ट संवीक्षा परीक्षा अजमेर जिला मुख्यालय पर की जाएगी आयोजित

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक कृषि अधिकारी संवीक्षा परीक्षा 2021 का आयोजन दिनांक 28 मई 2022 तथा केमिस्ट (आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग) संवीक्षा परीक्षा 2021 का आयोजन दिनांक 29 मई 2022 को किया जाएगा। दोनों परीक्षाओं के प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं।

सलमान खान की ऐक्ट्रेस रिमी सेन भी नहीं करना चाहतीं शादी, बोलीं- मैं जानबूझकर...

धूम फिल्म में धमाल मचाने वाली रिमी सेन लंबे वक्त से इंडस्ट्री से गायब हैं। उन्होंने बताया कि वह अब तक फिल्मों से दूर क्यों थीं। साथ ही अपनी शादी के बारे में भी बात की।

रिमी सेन जिनका असली नाम सुभामिता सेन है, उन्होंने हंगामा से हिंदी डेब्यू किया था। रिमी बागबान, धूम और दीवाने हुए पागल जैसी फिल्मों में नजर आईं। क्योंकि फिल्म में वह सलमान खान की हिरोइन का रोल भी निभा चुकी हैं। कुछ वक्त से वह सिल्वर स्क्रीन से गायब हैं। अब एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कुछ राज खोले हैं। उन्होंने बताया कि फिल्में क्यों छोड़ दी थीं। साथ ही शादी पर भी बात की।

मिल रहे थे एक से ऑफर्स- रिमी सेन ने बातचीत में बताया कि 10 साल से वह कहां गायब थीं। रिमी बताती हैं, मेरा फिल्म इंडस्ट्री से मोह भंग हो गया था। मुझे एक से ऑफर्स मिल रहे थे। सारे कॉमेडी रोल ही मिल रहे थे। कुछ रिमी बताती हैं कि उनकी कुछ फिल्में नहीं चलीं इसके बाद उन्होंने लगा कि कुछ वक्त के लिए दूरी बना लेनी चाहिए।

स्वदेस के लिए दिया था ऑडिशन- रिमी ने बताया कि उन्होंने स्वदेस और मुन्नाभाई एमबीबीएस जैसी फिल्मों के लिए भी ऑडिशन दिए थे। लेकिन बात नहीं बनी। हालांकि रिमी ने यह भी बताया कि इस बीच पैसों को लेकर दिक्कत नहीं हुई क्योंकि उन्होंने इसे अच्छी तरह प्लान कर रखा था।

बोलीं- ब्रेकअप स्ट्रेस देते हैं- जब रिमी से पूछा गया कि क्या वह शादी नहीं करेंगी? इस पर उन्होंने जवाब दिया, 25-26 साल तक आपको शादी और पार्टनर की जरूरत लगती है। लेकिन जिंदगी के इस मोड़ पर, मुझे लगता है कि भले ही आप अपना 100 परसेंट दो, लोग आते और जाते रहते हैं। दोस्ती के ब्रेकअप भी बहुत स्ट्रेस देते हैं। इसलिए मैं जानबूझकर मर्दों और रिलेशनशिप्स से दूर रखती हूं।

मुनव्वर फारूकी की गर्लफ्रेंड का पजेसिव नेचर देखकर अंजलि अरोड़ा ने उड़ाई खिल्ली, बोली- मेरे बॉयफ्रेंड को तो...

कंगना रनौत के रिएलिटी शो लॉक अप को खत्म हुए कई दिन बीत चुके हैं। अभी भी इस शो में हिस्सा लेने वाले कंटेस्टेंट्स लगातार किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में छाए हुए हैं। बात की जाए अंजलि अरोड़ा की तो हाल ही में वह अपने होमटाउन से मुंबई वापस आई हैं और कई मौकों पर वह पैपराजी के साथ इंटरेक्शन करती हुई भी नजर आई हैं। लॉक अप के दौरान अंजलि अरोड़ा का नाम मुनव्वर फारूकी के साथ खूब जुड़ा। शो खत्म होते ही खुलासा हुआ कि वह नाजीला नाम की एक लड़की को कुछ महीनों से डेट कर रहे हैं। हाल ही में एक पब्लिकेशन की ओर से नाजील से जब अंजलि को लेकर कुछ सवाल किए गए तो वह उनके बारे में बात करने से बचती हुई नजर आईं। अब अंजलि अरोड़ा की ओर से इस पर भी रिएक्शन आ चुका है।

अंजलि ने दिया करारा जवाब-लॉक अप के दर्शकों को मुनव्वर फारूकी और अंजलि अरोड़ा की दोस्ती काफी पसंद आई थी और लोगों ने इनकी जोड़ी को Munjali का भी नाम दे डाला था। नाजीला के रिएक्शन पर अंजलि अरोड़ा ने इंडिया फोरम से खुलकर बात की है। उनका कहना है, मैंने सुना है कि मुनव्वर की गर्लफ्रेंड को हमारी बॉन्डिंग पसंद नहीं आई थी। लेकिन मेरे बॉयफ्रेंड आकाश का रिएक्शन एकदम अलग था। उसने मुझे बोला कि वह समझा है कि शो के दौरान किसी भी इंसान को किसी का सपोर्ट चाहिए ही चाहिए होता है। वह काफी चिल है कि उसे मुझ पर भरोसा है।

मुनव्वर को लेकर अंजलि ने कही ये बात-सोशल मीडिया पर कई दफा लोगों ने ऐसा भी कहा कि मुनव्वर फारूकी और अंजलि अरोड़ा की बॉन्डिंग पूरी तरह से स्क्रिप्टेड थी। इस पर अंजलि ने कहा, नहीं ऐसा कुछ भी नहीं था। पहली बात तो हमने कभी ऐसा हिंट भी नहीं दिया कि हम एक-दूसरे को पसंद करते हैं। हम अच्छे दोस्त थे और शो के बाहर भी हमारी दोस्ती कायम रहेगी।

Sohail Khan से अलग होते ही सीमा ने बदला अपना सरनेम, सोशल मीडिया पर किया अपडेट

सोहेल खान और सीमा खान ने कुछ दिनों पहले ही कोर्ट में तलाक की अर्जी दायर की है। दोनों वैसे ही काफी समय से अलग रह रहे थे और अब तो दोनों ने पती-पत्नि के रिश्ते को खत्म करने का फैसला भी ले लिया है। अलग होने के बीच अब सीमा ने इंस्टाग्राम पर अपनी प्रोफाइल में बदलाव किए हैं। दरअसल, अब तक इंस्टाग्राम पर सीमा का नाम सीमा खान था। वहीं अब तलाक की अर्जी दर्ज करने के बाद अब सीमा ने अपना नाम सीमा किरण सचदेह कर दिया है। इसके साथ ही सीमा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा है, एंड में सब चल जाएगा। आपको ये जानने की जरूरत नहीं कि कैसे। आपको भरोसा करना होगा बस बता दें कि सोहेल और सीमा के 2 बेटे हैं निर्वान और योहान। हालांकि अभी इसकी जानकारी नहीं मिल पा रही है कि बच्चे किसके साथ रहेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक सोहेल और सीमा ने मिलकर तलाक का फैसला लिया है। बता दें कि सोहेल और सीमा ने साल 1998 में शादी की थी। दोनों की लव मैरिज थी। सीमा के परिवार वाले इस शादी के खिलाफ थे इसलिए दोनों ने भाग कर शादी की थी। दोनों अपनी मैरिड लाइफ एंजॉय कर ही रहे थे कि अचानक दोनों के बीच अनबन की खबरें आने लगीं।

वेट लॉस के लिए सिर्फ फ्रूट डाइट पर हैं तो जान लें इसके स्वास्थ्य जोखिम

आपको हाइड्रेट बनाए रखने से लेकर हेल्दी वेट लॉस और हेल्दी स्किन के लिए भी ज्यादातर आहार विशेषज्ञ फलों के सेवन की सिफारिश करते हैं। पर कितने फल खाना है आपके लिए सही।शरीर को हाइड्रेटेड बनाए रखने के साथ-साथ फाइबर, मिनरल्स, विटामिन्स, एंटीआक्सीडेंट और तमाम खास न्यूट्रीएंट से लबरेज फल अपने स्वास्थ्य लाभों के लिए मशहूर हैं। कई फल अपने बेमिसाल स्वाद से लोगों को आकर्षित करते हैं, तो कई अपने पोषक तत्वों की वजह से। ये ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल को भी नियंत्रित करते हैं। सबसे जरूरी बात, जब आप वेट लॉस की तैयारी करती हैं, तो अपनी डाइट में एक बड़ा हिस्सा फलों के लिए रखती हैं। पर क्या आप जानती हैं कि हमेशा ढेर सारे स्वास्थ्य लाभों के साथ आने वाले फल कभी-कभी आपको नुकसान भी दे सकते हैं। आइए यहां जानते हैं जरूरत से ज्यादा फल खाने के स्वास्थ्य जोखिम।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट-न्यूयार्क के डायटीशियन एंडी बेलाटी बताते हैं कि फ्रुटस कुछ एक मिनरल्स जैसे आयरन और जिंक का अच्छे स्रोत नही होते। कई बार इन अहम पोषक तत्वों की कमी कारण लोगों को कई स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। कई बार ऐसा होता है कि अत्यधिक फ्रुट खा लेने के कारण पेट संबंधी गड़बड़ी हो जाती है।एकेडमी ऑफ न्यूट्रीशन एंड डाइटेटिक्स से जुड़े जेन बर्निंग बताते हैं कि सिर्फ फ्रुट खाते रहने की वजह से सीने में जलन , डायरिया , एसिड रिफ्लक्स ब्लॉटिंग और अन्य समस्याएं हो सकती हैं।वर्ल्ड जर्नल ऑफ गैस्ट्रोलॉजी में छपे एक शोध के मुताबिक, पेट की ज्यादातर समस्याओं के लिए लैक्टोज, फ्रक्टोज और शुगर अल्कोहल सोर्बिटोल जेसे कार्बोहाइड्रेट जिम्मेदार होते हैं।

यहां हैं ज्यादा मात्रा में फल खाने के स्वास्थ्य जोखिम

1 बार-बार पेट में गैस बनने की शिकायत -फल में फ्रक्टोज यानी शुगर की अत्यधिक मात्रा मौजूद है जो कई बार पेट में गैस बनने की शिकायत के लिए जिम्मेदार होता है। हम में से कई लोग ऐसे हैं जो अत्यधिक मात्रा में फ्रक्टोज को पचा पाने में सक्षम नहीं होते हैं। कई लोगों के शरीर में फ्रक्टोज का अवशोषण अच्छी तरह नहीं हो पाता हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि 40 फीसदी लोग फ्रक्टोज मेलएब्जार्पशन से जूझ रहे हैं। दरअसल छोटी आंत फ्रक्टोज को अवशोषित नहीं कर पाती है। ऐसे लोगों को फल से पोषण मिलने के बजाय उसका न्यूट्रीएंट खासकर फ्रक्टोज आंत में इकट्ठा हो जाता है। जिससे वहां मौजूद बैक्टीरिया फ्रक्टोज का फर्मेंटेशन शुरु कर देते हैं। जिसके कारण बहुत अधिक गैस और पेट में सूजन हो जाती है और ऐसे लोगों का शरीर असजह महसूस करने लगता है।

2 डायरिया -यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन में सेंटर फॉर पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन के डॉयरेक्टर डॉ एडम ड्यूनोव्स्की के अनुसार अत्यधिक मात्रा में फल खाने पर दस्त की शिकायत हो सकती है।

आर्चरी वर्ल्ड कप: भारतीय कंपाउंड पुरुष टीम ने फ्रांस को हराकर तीसरी बार गोल्ड जीता; भारत ने जीते अब तक 4 मेडल

नई दिल्ली। साउथ कोरिया में चल रही वर्ल्ड कप-2 में शनिवार को भारत को दो मेडल मिले हैं। कंपाउंड राउंड में भारतीय पुरुष टीम ने गोल्ड पर तीर चलाया, जबकि कंपाउंड में मिक्स्ड टीम ने ब्रॉन्ज जीता। इसके साथ ही भारत ने अब तक 4 मेडल जीत लिए हैं।भारतीय टीम का वर्ल्ड कप में लगातार दूसरा गोल्ड है। इससे पहले तुर्की में 17 से 25 अप्रैल तक हुए वर्ल्ड कप -1 में भारतीय पुरुष टीम ने गोल्ड जीता था। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में फ्रांस को 232-230 के स्कोर से हराया। यह तीसरी बार है, जब भारतीय टीम ने फ्रांस को फाइनल में हराया है। पुरुष टीम में अभिषेक, रमन और रजत शामिल थे। इन तीनों की जोड़ी पिछले एशियन गेम्स में भी देश के लिए सिल्वर मेडल जीत चुकी है। वहीं कोरोना की वजह से टाले गए एशियन गेम्स के लिए भी इन तीनों का चयन भारतीय टीम में हुआ था। **अभिषेक और अवनीत कौर ने मिक्स्ड में ब्रॉन्ज जीता**-अभिषेक और अवनीत कौर ने मिक्स्ड डबल्स में तुर्की को 156-155 के स्कोर से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। अभिषेक का यह 48वां इंटरनेशनल मेडल है। भारत के अब टूर्नामेंट में कुल 4 मेडल हो गए हैं। इनमें 1 गोल्ड और तीन ब्रॉन्ज मेडल हैं।

ब्रेंडन मैकुलम का दावा- अगर मैं इंग्लैंड की टीम को नहीं बदल सका तो टेस्ट क्रिकेट मर जाएगा

नई दिल्ली। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने चेतावनी दी है कि अगर वह इंग्लैंड की टीम को नहीं बदल पाए तो टेस्ट क्रिकेट मर जाएगा। उन्होंने कहा है कि अगर वे इंग्लैंड को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को चुनौती देने वाली और अगली पीढ़ी की प्रतिभाओं को आकर्षित करने वाले क्रिकेट के ब्रांड को खेलने में असमर्थ रहे तो टेस्ट क्रिकेट मर सकता है। मैकुलम को अब कोचिंग का अच्छा अनुभव हो गया है।कीवी दिग्गज मैकुलम को उस टीम को बदलने का काम सौंपा गया है, जिसने अपने पिछले 17 टेस्ट मैचों में से सिर्फ एक मैच में जीत हासिल की है। इतना ही नहीं, न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान इस चुनौती का आनंद लेने के लिए तैयार हैं। वह इंग्लैंड को क्रिकेट का एक आकर्षक ब्रांड खेलते हुए देखना चाहते हैं। उन्होंने टीम को चेतावनी देते हुए कि टेस्ट क्रिकेट को इसकी आवश्यकता है। ईसीबी को दिए एक इंटरव्यू में मैकुलम ने कहा, टेस्ट क्रिकेट हमेशा मेरे लिए खेल का शिखर रहा है और यह वास्तव में है। मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट की लोकप्रियता कुछ हद तक दक्षिण की ओर बढ़ी है।

गावस्कर फिर विवाद में फंसे: बोले-शिमरन हेटमायर की पत्नी ने डिलिवर कर दिया है, क्या हेटमायर अब राजस्थान के लिए डिलिवर करेंगे?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर एक बार फिर से विवादों में घिर गए हैं। गावस्कर को अब आईपीएल कमेंट्री से हटाने की मांग हो रही है। पूर्व कप्तान गावस्कर राजस्थान रॉयल्स के विस्फोटक बल्लेबाज शिमरन हेटमायर की पत्नी के बारे में घटिया कमेंट करके एक बार फिर से आलोचकों के निशाने पर आ गए हैं। अपने विवादित बयान के बाद गावस्कर को अब आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। आईपीएल 2022 में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से हुआ। इस मुकाबले में चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 150 रन का स्कोर बनाया। इसके जवाब में राजस्थान की अच्छी शुरुआत रही। लेकिन इसके बाद टीम फंसती हुई नजर आ रही थी। ऐसे में वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज शिमरन हेटमायर बल्लेबाजी करने के क्रीज पर आए। हेटमायर के क्रीज पर आते ही गावस्कर ने जो कमेंट किया, उसे लेकर अब हर कोई पूर्व कप्तान की खूब आलोचना कर रहे हैं।दरअसल, हेटमायर अपने पहले बच्चे के जन्म के चलते राजस्थान के लिए बीच में कुछ मैचों में नहीं खेले थे और वह घर लौट गए थे। लेकिन चेन्नई के खिलाफ उनकी प्लेइंग इलेवन में

वापसी हुई और वह बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए। हेटमायर राजस्थान की पारी के 15वें ओवर में बल्लेबाजी करने के लिए आए। इस दौरान गावस्कर इंग्लिश में कमेंट्री कर रहे थे। हेटमायर के क्रीज पर आते ही गावस्कर ने टिप्पणी करते हुए कहा, शिमरन हेटमायर की पत्नी ने डिलिवर कर दिया है। क्या हेटमायर अब राजस्थान के लिए डिलिवर करेंगे गावस्कर की इस टिप्पणी के बाद फैन्स अब सोशल मीडिया पर जमकर उन्हें लताड़ लगा रहे हैं और उनकी आलोचना कर रहे हैं।

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन वीकली के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

बदनीयत की विरासत को क्यों कायम रखें

राम गोपाल सैनी

अयोध्या मामले में केंद्र सरकार टकराव नहीं चाहती और हम भी कोई टकराव नहीं चाहते।... हम चाहते हैं कि मामला आपस में वार्ता से सुलझे, यह सुनने में तो बहुत अच्छा है। शांतिपूर्वक सुलझे, तो बहुत अच्छा है। उलेमा और संत आपस में बैठ जाएं और सुलझा लें, तो बहुत अच्छा है।... मैंने बचपन में एक बात सुनी थी कि कबूतर जब बिल्ली को देखता है, तो वह जानता है कि बिल्ली उसको खा जाएगी। बिल्ली को कबूतर बहुत स्वादिष्ट लगता है। कबूतर इतना भोला और नादान होता है कि वह सोचता है कि आंख बंद कर लूंगा, तो बिल्ली दिखेगी नहीं। वह आंखें बंद कर लेता है और सोचता है कि बिल्ली दिखेगी नहीं, तो होगी ही नहीं। इस तरह से बिल्ली उसको खा जाती है। 1947 की स्थिति में धार्मिक स्थलों को बनाए रखना यानी कबूतर की तरह बिल्ली से आंखें मूंदना। जो तनाव बिल्ली की तरह पदचाप बढ़ाते हुए इस देश में आ रहा है, उसकी तरफ से कबूतर की भावना के अनुकूल आंखें मूंदना है और यह सोचकर कि 1947 की स्थिति में सब कुछ रखा जाए, तनाव को संरक्षित करके रखा जा रहा है, आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए।मैं एक उदाहरण दे रहा हूं। मैं बीस दिनों पहले बनारस गई था। मैं जिस दिन वहां गया, उस दिन मूसलाधार बारिश हो रही थी। मैंने ज्ञानवापी का स्थान कभी देखा नहीं था। मैं उसी स्थान को देखने के लिए वहां गया था । उस जबरदस्त बारिश में भीगते हुए मैं उस जगह पर पहुंचा, जिसमें विश्वनाथ भगवान का मंदिर तोड़कर औरंगजेब ने मस्जिद बनाई थी।... मैंने मंदिर के भग्नावशेष पर मस्जिद को खड़े देखा।... यहां पर मस्जिद बनाना था, तो मंदिर का अवशेष क्यों छोड़ा गया? क्या उस मंदिर के अवशेष को छोड़ने के पीछे औरंगजेब की बदनीयत नहीं थी कि हिंदुओं की भावी पीढ़ियों को याद रहे कि उनकी औकात क्या है और मुसलमानों की पीढ़ियों को याद रहे कि उनकी ताकत क्या है? यह तो औरंगजेब की बदनीयत थी और फिर अंग्रेजों की बदनीयत। मैं कांग्रेस की सरकार से और यह विधेयक लाने वालों से पूछना चाहता हूं कि औरंगजेब की बदनीयत की विरासत को आप क्यों कायम रखना चाहते हैं।

सहारा के एजेंट्स और निवेशक बैठे धरने पर: सहारा-सेबी विवाद में फंसे 24 हजार करोड़

वाराणसी (हमारा वतन) लाखों निवेशकों का पैसा डूबाने वाली कंपनी सहारा के कर्मचारी धरने पर बैठे। वाराणसी के प्रधानमंत्री कार्यालय में सहारा-सेबी विवाद को लेकर आज कर्मचारियों में गुस्सा देखने को मिला। बड़ी संख्या में सहारा के एजेंट्स ने प्रधानमंत्री कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। पीएमओ कार्यालय पर ज्ञापन देते हुए एजेंट्स बोले कि सहारा इंडिया वर्कर्स वेलफेयर ट्रस्ट कंपनी का 24 हजार करोड़ रुपए सेबी की वजह से फंसा है। आरोप लगाया कि कि सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के कुछ अधिकारियों की जिद की वजह से संस्था का ब्याज रूका हुआ है। इस वजह से कंपनी न तो निवेशकों का पैसा लौटा पा रही है और न ही हम एजेंट्स का खर्च चल पा रहा। ऐसे में हम भुखमरी की कगार पर आ गए हैं। नतीजतन, हमें नया व्यवसाय नहीं मिल रहा है और हमारी आय का साधन भी खत्म हो चुका है। PMO कार्यालय में धरना के दौरान एजेंट्स के साथ निवेशक भी थे, जिन्होंने जमकर सेबी के विरोध में नारे लगाए और शिकायत पत्र थमाया।

कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आप हमारे क्षेत्र के प्रतिनिधि हैं। इस नाते हमारी आपसे गुजारिश है कि आप इस प्रपत्र को गहनता से पढ़ें और संज्ञान लेते हुए हमारी बातों को राज्य और केंद्र सरकार तक पहुंचाते हुए हमें और हमारी संस्था को न्याय दिलाएं। वहीं सेबी के कुछ अधिकारियों की हठधर्मिता से फंसा धन वापस दिलाएं।

तब हम बेरोजगारों के पास था इनकम का स्रोत

एजेंट्स बोले कि एक ओर जहां हमारे सम्मानित निवेशकों ने ब्याज के माध्यम से लाखों करोड़ों कमाए, वहीं हम जैसे लाखों बेरोजगार युवाओं को घर पर रहते हुए इनकम का रेगुलर साधन मिल गया और काफी बेहतर जीवन व्यतीत करने लगे। बीते 8 साल से सहारा-सेबी विवाद की वजह से हमारे जीवन में उथल-पुथल मच गया। आय खत्म होने के साथ निवेशकों के भुगतान में भी कहासुनी होने लगती है।

44 साल से कर रहे ये काम

हम सहारा के कर्तव्य योगी हैं, जो कि बीते 44 सालों से अपने-अपने क्षेत्रों में छोटे-छोटे दुकानदारों, रेहड़ी, खोमचे और निम्न मध्यमवर्गीय लोगों के घर-घर जाकर उनका पैसा इन्वेस्ट कराते हैं और उनके पैसा सेव रखने की धारणा विकसित की जाती है।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर सभी लोगों के बैंक खाते खोले गए है। वहीं हम सभी एजेंट्स भी चार दशक से यह काम घर-घर जाकर कर रहे हैं और ग्राहकों को अच्छा लाभ देते रहे हैं। कई लोगों ने संस्था से प्राप्त ब्याज के द्वारा बच्चों को अच्छी शिक्षा और मकानें बनवाई। मगर अब कंपनी पर फर्जी का टैग लगाया जाता है।

एनएसई घोटाला: चित्रा रामकृष्ण की जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट का सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्ण की जमानत याचिका पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जवाब मांगा, जिन्हें एनएसई को-लोकेशन घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी से जवाब मांगते हुए न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 31 मई की तारीख तय की।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें।
Email- hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

उषा श्री ने लिया महिला घरेलू हिंसा एवं सुरक्षा विषय की परिचर्चा में भाग

जयपुर (हमारा वतन) शिल्पायन प्रशिक्षण संस्थान द्वारा मानसरोवर में आयोजित महिला घरेलू हिंसा एवं सुरक्षा विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया । परिचर्चा में वरिष्ठ अभिनेत्री और नृत्य गुरु उषा श्री ने भी अपने अनुभव साझा किए और महिला सुरक्षा हेतु सुझाव दिए। संस्थान की अध्यक्ष लक्ष्मी अशोक ने उषा श्री का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया । कार्यक्रम में डॉ. अलका, रेणुका, सुशीला, अन्नू सोगनी, प्रेम दवे आदि महिलाओं ने भी अपने विचार रखे ।

दीर्घकालीन कृषि ऋण वितरण के लिए पीएलडीबी की आर्थिक स्थिति मजबूत करें

जयपुर(नि.सं.) रजिस्ट्रार सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने कहा कि किसानों को दीर्घकालीन कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों की आर्थिक स्थिति का बेहतर होना अतिआवश्यक है। दीर्घकालीन कृषि ऋण के जरिये लम्बी अवधि के ऋण किसानों को समय पर उपलब्ध हो सके इसकी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें। अग्रवाल शुक्रवार को यहां प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों के सचिवों की राज्य स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दीर्घकालीन कृषि ऋण का समय पर चुकारा करने वाले किसानों को राज्य सरकार की ओर से 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना का किसानों को फायदा मिले इसके लिए किसान समय पर ऋण का चुकारा करें। यह योजनाबद्ध प्रयासों से ही संभव है। रजिस्ट्रार ने कहा कि सभी प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों की स्थापना किसानों के कल्याण के लिए की गई है। ऐसे में किसान ऋण का सदुपयोग करें एवं समय पर चुकारा कर सरकार की योजना का भी लाभ लें।

आशीर्वाद कौन दे सकता है

मान लो आप के पास दस रुपया हो । अब आप से कोई सौ रुपया मांगे क्या आप दे पाएंगे । बिल्कुल नहीं,इसलिए जो आप के पास है ही नहीं,वह आप किसी और को कैसे दे सकते हैं । इसी तरह आप के पास सुख न हो,तो वह भी किसी और को आप कैसे दे सकते हैं। आप की उम्र सौ के आस पास हो,अब आप के पास उम्र भी न बची हो तो,वह आप दूसरों को कैसे दे सकते है । अकसर हम किसी को धन दौलत का आशीर्वाद देते हैं । लम्बी उम्र का आशीर्वाद देते हैं । सुख का आशीर्वाद देते हैं,जबकि सच्चाई यह होती है कि जो हम दूसरों को दे रहे होते हैं,वह स्वयं हमारे पास ही नहीं होती । फिर सवाल उठता है,फिर हम देते कैसे हैं, और उसे मिलता कैसे है ? जिस चीज़ का हम आशीर्वाद दे रहे होते हैं । असल में हम भी वही खोज रहे होते हैं ,जो वो खोज रहे हैं । अर्थात जो मिला ही नही,बिना मिले बांट कैसे रहे हैं । मुझे लगता है,जो शायद सब को स्वीकार्य न हो । वह यह कि हम आशीर्वाद नहीं दे सकते । जो ऋषि मुनि, महान लोगों के आशीर्वाद के सम्बंध में हम जानते हैं या सुना है,वे हमसे अलग थे । जो आशीर्वाद वे लोगो को देते थे । वह उनके पास होता था। इतने सामर्थ्यवान थे,जो कि वे दे सकते थे । उनके पास था,वे देते थे, पर आज हर कोई आशीर्वाद दे रहा है । मुझे लगता है,हम किसी को सुभेच्छा या शुभकामना तो दे सकते हैं ,पर आशीर्वाद शायद नहीं । किसी के लिए ईश्वर से प्रार्थना तो की जा सकती है । पर आशीर्वाद के बारे में थोड़ा मुझे शंका है । शुभकामना की जाती है, आशीर्वाद दिया जाता है, देना तो तभी सम्भव है जब हो । आज भी जिनके पास हो वे तो आशीर्वाद स्वरूप दे ही सकते हैं, पर जिनके पास है ही नहीं वे क्या देंगे ? पता नहीं ,जो किसी भी तरह से सम्पन्न हैं वे जो चाहे दें।

डॉ रमाकांत क्षितिज
संकलन-विनोद कुमार दुबे

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
संरक्षक : बाबूलाल सैनी मो: 7296873757
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर होगा